Notification No.:- 565/2024

Date Of Notification:- 22/08/2024

Student's Name:- SUNDARAM ANAND

Supervisor's Name:- Prof. DILEEP KUMAR SHAKYA

Department:- Hindi

Name Of Topic:- HINDI KATHA-SAHITYA KE FILMANTARAN KA SAMAJSHASTYRIYA ADHYAYAN

बीज-शब्द:- कथा-साहित्य , फिल्मांतरण , समाजशास्त्र, हाशियाकृत समाज, भाषायी परिदृश्य, भूमंडलीकरण।

सिनेमा में साहित्य की उपस्थिति प्राणवायु की तरह रही है। शुरुआती दिनों से ही फिल्मकार कथ्य और शिल्प की तलाश में साहित्य की ओर मुड़ते रहे हैं।

हिंदी सिनेमा में भी साहित्य और सिनेमा के विनिमयात्मक संबंध हमेशा से रहे हैं। स्वाभाविक रूप से इस कारण हिंदी सिनेमा के स्वरूप, उसके भाषायी फलक और सामाजिक आयाम पर सकारात्मक प्रभाव भी नजर आता है।

प्रस्तुत शोध-प्रबंध में हिंदी कथासाहित्य के फिल्मांतरण का समाजशास्त्रीय अध्ययन किया गया है। पांच अध्यायों में विभाजित इस शोध-प्रबंध में साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंधों के सिंहावलोकन के साथ उनके बदलते आयामों पर भी विस्तार से परिचर्चा की गई है। फिल्मांतरित कृतियों के कारण हिंदी सिनेमा में समय, समाज और सृजन को लेकर व्यापक गहराई भी देखने को मिली। समकालीन सिनेमा की दशा और दिशा पर भी साहित्य की उपस्थिति ने अनुकूल प्रभाव डाला है। आज हिंदी सिनेमा में लोक से लेकर शास्त्र तक, अभिजात से लेकर हाशियाकृत समाज तक और देशी से लेकर ग्लोबल प्रभाव तक जो

बहुआयामी प्रवृत्तियां सामने आ रही हैं, इसमें भी साहित्य (विशेष रूप से हिंदी साहित्य) के साथ अंतर्संबंधों की सार्थक भूमिका निरापद है।